महत्वपूर्ण एवं खास

कचना तालाब में मिली अज्ञात युवक की लाश

रायपुर (आरएनएस)। कचना तालाब में आज एक युवक की लाश तैरती मिली है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर शव चीरघर भिजवा दिया है। सूत्रों के अनुसार, आज सुबह खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना तालाब में एक युवक की लाश आस-पास के लोगों ने देखी, जिसकी सूचना तत्काल उन्होंने पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, युवक की पहचान नहीं हो पाई है. युवक के पास से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है. ये मामला हत्या है या आत्महत्या पुलिस इसकी जांच के जुट गई है. खम्हारडीह थाना प्रभारी ने बताया कि अर्धनग्न अवस्था में लाश कचना तालाब में पाई गई है. ऐसा प्रतीत हो रहा है कि युवक नहाने गया था. बॉडी को तालाब के बाहर निकाल लिया गया है. शिनाख्त की जा रही है. जांच करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है.

25 को नागपुर से रायपुर तक रेलयात्रा करेंगे रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव

रायपुर (आरएनएस)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 25 नवंबर को रेल मार्ग से नागपुर से रायपुर आएंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 24 नवंबर को वे दिल्ली से नागपुर के लिए रात 8 बजकर 10 मिनट पर रवाना होंगे. वे नागपुर रात 9:40 बजे पहुंच जाएंगे. इसके बाद वे नागपुर में ही रात्रि विश्राम करेंगे. अगले दिन 25 नवंबर को वो सुबह 8 बजे आयोजित एसटी-एससी एसोसिएशन के वार्षिक कार्यक्रम में शामिल होंगे. सुबह 9:50 बजे वे नागपुर से ट्रेन से रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। यह पता नहीं चल पाया है कि ये विंडो ट्रेलिंग इंस्पेक्शन है या वे ट्रेन में यात्रियों से बातचीत कर वस्तुस्थिति का अवलोकन करेंगे। नागपुर से रायपुर पहुंचने में उन्हें 4 घंटे का समय लगेगा। रायपुर पहुंचने के बाद वे दोपहर 2:15 बजे फ्लाइट से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

सुंगेरा एनीकट निर्माण के लिए 9 करोड़ से अधिक रुपए स्वीकृत

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड तिल्दा की कोल्हान नाले पर सुंगेरा एनीकट के निर्माण के लिए नौ करोड़ चार लाख 14 हजार रूपये स्वीकृत किये हैं। योजना के कोर्यों के निर्माण हो जाने पर क्षेत्रीय किसानों को निस्तारी, पेयजल, भू-जल संवर्धन आवागमन एवं कृषकों को निजी पम्प के माध्यम से करीब 80 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को एनीकट का निर्माण कराने प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है।

3 टीआई, 06 एसआई, 10 एएसआई का तबादला

कोरबा (आरएनएस)। जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने जिला पुलिस बल में पदस्थ 18 अधिकारियों का तबादला किया है। इनमें तीन निरीक्षक, 6 उपनिरीक्षक और 10 सहायक उपनिरीक्षक स्तर के पुलिस अधिकारी शामिल हैं। इन्हें तत्काल प्रभाव से नई पदस्थापना पर ज्वाइनिंग देने के लिए निर्देशित किया गया है।

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में हुए शामिल

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विगत दिवस राजधानी रायपुर के होटल अंब्रेसिया में छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर कहा कि आप सभी ने बहुत सुंदर आयोजन किया है। आप सभी अपने परिवार जनों के साथ आए हैं, मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री साय ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म का जिक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में इस फिल्म को हमने टैक्स फ्री कर दिया है और अभी मैंने मंत्री गणों और विधायकों के साथ इस फिल्म को देखा है।

हरे, लाल एवं पीले रंग के शिमला मिर्च की खेती से संवर रही किसानों की जिंदगी

- दुर्लभ किस्म के रंगीन शिमला मिर्च की खेती जिले में अपने तरह का पहला नवाचार
- राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत किसान मोरध्वज एवं देवेन्द्र को मिली कुल 33 लाख 76 हजार रूपए की सहायता अनुदान राशि
- किसानों ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को मदद के लिए दिया धन्यवाद
- पोषक तत्वों से भरपूर शिमला मिर्च की मार्केट में बहुत डिमांड
- व्यंजनों में रंगीन शिमला मिर्च का बहुतायत प्रयोग
- जिले के किसान उत्पादक संगठन की ऊर्जा को मिली प्रेरणा और दिशा

राजनांदगांव | आरएनएस

अभी तक आपने हरे रंग की शिमला मिर्च का जायका लिया है और जिक्र सुना है, लेकिन अब आप लाल एवं पीले रंग के शिमला मिर्च का भी स्वाद ले सकेंगे। डोंगरगढ़ के ग्राम पेंड्री के प्रगतिशील किसान मोरध्वज सिन्हा एवं राजनांदगांव जिले के ग्राम रेंगाकठेरा के किसान देवेन्द्र कुमार सिन्हा के पॉली हाऊस में लगे दुर्लभ किस्म के लाल, पीले और हरे रंग के शिमला मिर्च की खेती जिले में अपनी तरह का पहला नवाचार है। उद्यानिकी विभाग की ओर से राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत किसान मोरध्वज को पॉली हाऊस की संरचना के लिए 16 लाख 88 हजार रूपए की राशि मिल है तथा संरक्षित खेती के लिए 2 लाख रूपए की राशि मिलेगी। इसी तरह देवेन्द्र कुमार को पाली हाऊस के लिए कुल 16 लाख 88 हजार रूपए की राशि मिली है तथा संरक्षित खेती के लिए 2 लाख रूपए की राशि मिलेगी। मल्चिंग एवं ड्रिप सिंचाई पद्धति से इसकी खेती की जा रही है तथा पौधों को सहारा देने के लिए धागे लगाए गए हैं। पोषक तत्वों से भरपूर शिमला मिर्च की मार्केट में बहुत डिमांड है।

किसान मोरध्वज सिन्हा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में रंगीन शिमला मिर्च की खेती नहीं होती। पहले बंगलौर से इसकी आपूर्ति की जाती थी, लेकिन अब यहीं खेती होने पर इसकी अच्छी कीमत मिल रही है। यहां का रंगीन शिमला मिर्च रायपुर, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव जिले में जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी उनको 1 एकड़ में लगे 12 हजार पौधों से लगभग 42 लाख रूपए की आमदनी हो जाएगी। 1 पौधे से 3 किलोग्राम तक शिमला मिर्च का उत्पादन हो रहा है। मार्केट में 100-130 रूपए प्रति किलो शिमला मिर्च की बिक्री हो रही है। उन्होंने बताया कि उनकी यह इच्छा है कि यह क्षेत्र मिनी इजराईल की तरह विकसित हो जाए। शासन की योजना के अंतर्गत लाभान्वित होते हुए यहां के किसान कम स्थान एवं कम लागत में पॉली हाऊस जैसे नवीनतम व उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए अधिक से अधिक फसल लें। यहां ज्यादा से ज्यादा पॉली हाउस बने। उन्होंने बताया कि धान के बदले शिमला मिर्च की खेती में कम पानी की जरूरत होती है। धान की खेती से जहां एक एकड़ में 20 हजार रूपए, वहीं शिमला मिर्च की खेती में 20 लाख रूपए तक आमदनी हो रही है। उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन द्वारा अनुदान मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इससे पॉली हाउस बनाने एवं संरक्षित खेती करने के लिए मदद एवं प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने बताया कि पॉली हाउस में ही किनारों पर धनिया पत्ती लगाए थे, जिससे 70 हजार रूपए की आय हुई है। किसान देवेन्द्र ने बताया कि रंगीन शिमला मिर्च की खेती का नया अनुभव है। उन्होंने बताया कि शिमला मिर्च की तोड़ाई समय-समय पर की जा रही है। दूसरे जिलों में भी भेज रहे हैं। ऊर्जा एवं सकारात्मकता से भरपूर इन किसानों के चेहरों से खुशी बयां होती है। शिमला मिर्च की कटिंग एवं देखरेख के लिए गांव के स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि रंगीन शिमला मिर्च का पास्ता, पिज्जा, सलाद, स्नैक्स, सूप एवं अन्य व्यंजनों में बहुतायत प्रयोग किया जा रहा है।

जब ऊर्जा को प्रेरणा और दिशा मिलती है तो जिंदगी बदल जाती है। जिले के किसान उत्पादक संगठन माँ बम्लेश्वरी सेल्फ रिलायंस फार्मर्स ठेकवा से 1153 किसान जुड़े हुए हैं। इन जागरूक किसानों ने धान के बदले अन्य फसलों को भी अपनाना प्रारंभ किया है। जिले के 16 हजार वर्ग मीटर में अभी शिमला मिर्च की खेती की जा रही है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में किसान सामूहिकरण के माध्यम से भी कार्य कर रहे हैं और जिले में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले के किसानों की फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सहायक संचालक उद्यानिकी राजेश शर्मा ने बताया कि उद्यानिकी फसलों की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। किसानों ने पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में फसल ली है। अन्य किसानों द्वारा भी पॉली हाऊस की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगली बार शिमला मिर्च की ग्राफ्टेड फसल ली जाएगी, जो देशी एवं हाईब्रिड फसल का समन्वित प्रकार होगा। यह बैक्टिीरियल बिल्ट होता है, जिससे पौधों में बीमारियों से लडने की क्षमता बढ़ जाती है। यह फसल 8 माह तक रहती है तथा इसमें कम पानी की जरूरत होती है।

गुड गवर्नेंस के रीजनल कॉफ्रेंस में आए देशभर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं विशेषज्ञ पहुंचे नालंदा लाइब्रेरी एवं कला केंद्र को सराहा

रायपुर | आरएनएस

राजधानी में आयोजित गुड गवर्नेंस के रीजनल कॉफ्रेंस में आए देशभर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं विशेषज्ञ नालंदा परिसर स्थित लाइब्रेरी एवं कला केंद्र में पहुंचे। वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों ने नालंदा लाइब्रेरी में पहुंचकर कहा कि यहां पहुंचकर सकारात्मक उर्जा मिली। इस नवाचार को सभी राज्यों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रभावशाली नवाचार है और एक साथ एक ही स्थान पर बैठकर पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है। यहां युवाओं को सिविल सर्विस में तैयारी करने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। सभी राज्यों को यह नवाचार अपनाना चाहिए। वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों ने यह भी कहा कि यह नवाचार युवाओं के प्रतिभाओं को एक अच्छा प्लेटफॉर्म तक पहुंचा रहा है। राज्य सरकार का यह फैसला युवाओं के राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान देगा। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आईएएस अफसरों के प्रतिनिधि मंडल को नालंदा लाइब्रेरी से रूबरू कराया। साथ ही लाइब्रेरी से होने वाले बुक इश्यू की प्रक्रिया बताई। कलेक्टर ने सभी अफसरों को बुक एवं फूल देकर स्वागत किया। अफसरों ने अध्ययनरत युवाओं से चर्चाएं भी की। कलेक्टर डॉ. सिंह ने अफसरों नालंदा परिसर लाइब्रेरी की जानकारी देते हुए बताया कि लाइब्रेरी का लगभग 18 करोड़ रूपए में निर्माण कराया गया है। एक हजार युवाओं के एक साथ बैठकर पढने की सुविधा है। साथ ही वाईफाई, कम्प्यूटर समेत सर्वसुविधा उपलब्ध है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं विशेषज्ञ कला केंद्र में भी पहुंचे। जहां उनका प्रतिभावान बच्चों ने फूल देकर स्वागत किया। अफसरों को कला केंद्र के बारे में कलेक्टर डॉ. सिंह ने जानकारी देते हुए गायन कक्ष, चित्रकला कक्ष, नृत्य कक्ष, ड्राइंग रूम समेत रिकॉर्डिंग कक्ष का अवलोकन कराया। इस दौरान अफसरों ने रिकॉर्डिंग कक्ष में गाना गाकर रिकॉर्डिंग कराई। कलेक्टर ने बताया कि कला केंद्र में दो दर्जन से अधिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणरत से 500 रूपए ही शुल्क लिए जाते है। इसके अलावा कला केंद्र के ग्राउंड में अफसरों ने कला केंद्र के प्रतिभावान युवाओं के गाने सुनकर आनंद लिया। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं विशेषज्ञ कलेक्टोरेट परिसर स्थित जनसमस्या कॉल सेंटर में पहुंचकर सुविधाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने अफसरों को कॉल सेंटर के कार्य करने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर डॉ. सिंह ने बताया कि यह जन समस्या कॉल सेंटर 24 घंटे संचालित की जाती है। आम नागरिक 24 घंटे कॉल कर अपनी समस्याएं दर्ज कराते है और तत्काल समस्या को दर्ज करने के बाद संबंधित विभागों के अफसरों को भेजी जाती है। जहां से समस्या का निराकरण तत्काल किया जाता है। इसके अलावा अफसरों ने जनदर्शन कक्ष का भी अवलोकन किया।

दुकान का ताला टूटा, जेवरात के सहित 4.50 लाख पार

रायपुर (आरएनएस)। पुरानीबस्ती थाना क्षेत्र के एक दुकान का ताला तोडक़र अज्ञात चोर करीब 10 लाख रुपए पार कर गया है। अज्ञात चोर ने 4.50 लाख रुपए नगद सहित जेवरात आदि पार हुआ है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुजगहन थाने में बृंदा प्रेमी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। वह क्ले कैशल कॉलोनी डूंडा में परिवार सहित रहती हैं। उनके पति राधेश्याम प्रेमी कांकेर में बिजली विभाग में कर्मचारी हैं। 17 नवंबर को सुबह लगभग 11.30 बजे घर में ताला लगाकर वह बच्चों के साथ पति से मिलने कांकेर गई थी। 19 नवंबर को दोपहर में काम वाली बाई फोन करके बताई कि घर का ताला टूटा है। घर खुला पड़ा था। अलमारी का लॉक टूटा हुआ था। सोने-चांदी के जेवर नहीं थे। सोने का दो नग नेकलेस, दो चैन, दो अंगूठी, दो कंगन, तीन जोड़ी टाप्स, दो नग सोने का बिस्किट, दो कान का डायमंड टाप्स, दो जोड़ी कान की बाली, एक मंगलसूत्र, छह जोड़ी चांदी की पायल सहित अन्य जेवर व एक हजार रुपये नहीं थे। पुरानी बस्ती थाने में दिनेश कुमार पटेल ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। वे पीएस सिटी न्यू चंगोराभाठा रायपुरा रहते हैं। एग्रीकोनिक मशीनरीज प्रायवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर हैं। रिंग रोड नंबर 1 कुशालपुर रायपुर में स्थित है।

सिरफिरे के चक्कर में जख्मी हुई युवती, बाइक जब्त

कोरबा | आरएनएस

अजब-गजब नमूनों के चक्कर में भी कोरबा सुर्खियां बटोर रहा है। सिविल लाइन पुलिस ने इस सिलसिले में उस बाइक को जब्त किया है जिसमें सलमान सिरफिरा लिखा हुआ था। एक युवती इसकी सवारी कर रही थी जो हादसे में जख्मी हो गई। युवक उसे छोडकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

घटना पिछली रात यहां के ओपन थिएटर क्षेत्र में हुई। नमूना टाइप की बाइक को एक युवक चला रहा था और पीछे एक युवती सवार थी। यहां-वहां चक्कर लगाने के दौरान उन्होंने नजारे देखे। इस दरम्यान गड़बड़ी हुई। चालक की लापरवाही से एक राहगीर चपेट में आ गया जिसके बाद आसपास के लोगों ने बाइकर्स को धुनने की योजना बनाई लेकिन वह भाग खड़ा हुआ। इस घटना की बड़ी कीमत युवती को चुकानी पड़ी। उसके पैर में चोट आई है। मामले की जानकारी होने पर पुलिस यहां पहुंची और आवश्यक पूछताछ करने के साथ बाइक को अपने कब्जे में ले लिया। बाइक रंग-ढंग और उसके साइड में सलमान सिरफिरा लिखे होने से समझा जा रहा है कि कोई छपरी इसका उपयोग कर रहा था। मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत पुलिस पहले भी ऐसे मामलों में कार्रवाई कर चुकी है। पुलिस ने कहा कि अब फिर से अभियान शुरू करने के साथ ऐसे मामलों में संज्ञान लिया जाएगा ताकि अनहोने के ग्राफ को कम किया जा सके। जानकारी मिली है कि पुलिस आगामी दिनों में उन गाडियों को लेकर ऑपरेशन शुरू कर सकती है जिनमें प्रेस लिखा हुआ है। इस तरह की शिकायतें पहुंच रही है कि इस प्रकार के मामलों में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है। इनमें वास्तविकता क्या है, पुलिस इसकी भी जांच कर सकती है।

कांकेर को मिला बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट अवार्ड, मत्स्यपालन के क्षेत्र में मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

कांकेर-रायपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले को मत्स्यपालन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट अवार्ड मिला है। आज 21 नवंबर को विश्व मत्स्यपालन दिवस के अवसर पर केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन, डेयरी एवं पंचायतीराज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, राज्य मंत्री प्रोफेसर एस.पी. सिंह बघेल एवं जॉर्ज कुरियन ने छत्तीसगढ़ के मत्स्यपालन विभाग के संचालक नारायण सिंह नाग, सहायक संचालक मत्स्यपालन कांकेर एस.एस. कंवर को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित सुषमा स्वराज भवन में ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ राज्य को इससे पूर्व मत्स्यपालन के क्षेत्र में देश के बेस्ट इनलैंड स्टेट का अवार्ड मिल चुका है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांकेर को देश का बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट अवार्ड मिलने पर प्रसन्नता जताई है। उन्होंने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए कांकेर सहित राज्य के सभी मत्स्य कृषकों एवं मत्स्यपालन विभाग के अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ लैंडलॉक्ड प्रदेश होने के बावजूद भी मत्स्यपालन के क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान पर है। मछली बीज उत्पादन में छत्तीसगढ़ देश का आत्मनिर्भर राज्य है। यह राज्य के मत्स्य कृषकों की मेहनत का परिणाम है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में मछली पालन के लिए 2.032 लाख हेक्टेयर जल क्षेत्र है, जिनमें से 96 प्रतिशत में किसी न किसी रूप में मत्स्य पालन हो रहा है। राज्य में प्रतिवर्ष 546 करोड़ मत्स्य बीज तथा 7.30 लाख टन मत्स्य उत्पादन हो रहा है। यहां से पड़ोसी राज्यों को भी मत्स्य बीज का निर्यात होता है। राज्य मत्स्य बीज उत्पादन में देश में 6वें तथा मत्स्य उत्पादन में देश में 8 वें स्थान पर है। छत्तीसगढ़ राज्य के मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से बैंक से ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है। पात्रतानुसार मत्स्य कृषकों को एक प्रतिशत से लेकर तीन प्रतिशत ब्याज पर अल्प अवधि ऋण भी दिया जा रहा है।

सौर ऊर्जा से रौशन हुई जिंदगी

खेत खलिहान से लेकर चौक चौराहे, सौर ऊर्जा से हो रहे उजियारे

- जिले के कामालूर, बासनपुर, धुरली, गामावाड़ा, झिरका में ''क्रेडा'' विभाग द्वारा सौर योजनाओं का सफल क्रियान्वयन

दंतेवाड़ा | आरएनएस

सौर ऊर्जा ग्रामीण भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए एक आशाजनक समाधान के रूप में उभरा है हाल के वर्षों में सौर ऊर्जा परियोजना बढ़ती ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए एक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रस्तुत किया है। सूर्य के प्रकाश को तीव्र ताप में बदलने के लिए फोटोवोल्टिक पैनल या सौर तापीय प्रणाली का उपयोग इसके प्रमुख आधार है। देश में सौर ऊर्जा परियोजना बिजली की पहुंच प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। इससे न केवल शिक्षा स्वास्थ्य, कृषि जैसे क्षेत्रों में सुधार हुआ है। वहीं समुदाय का उत्थान कर इसके द्वारा सतत विकास में बड़ी भूमिका निभाई जा रही है।

जिले के नियद नेल्लानार ग्राम सौर ऊर्जा से हो रहे ऊर्जीकृत

राज्य सरकार द्वारा संवेदनशील तथा माओवाद प्रभावित क्षेत्रों तक मूलभूत एवं बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से नियद नेल्लानार योजना प्रारंभ की गई है योजना के तहत क्रेडा विभाग द्वारा इन ग्रामों के निवासियों को लाभान्वित किये जाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है। इसके तहत सोलर हाईमास्ट, सोलर ड्यूल पंप तथा सौर सुजला योजना अन्तर्गत सोलर सिंचाई पंप के संयंत्र यहा स्थापित किए जा रहे है। इस क्रम में जिले के ग्राम कामालूर, बासनपुर, धुरली, गामावाड़ा, झिरका के 10 विभिन्न स्थलों पर सोलर हाई मास्ट स्थापना कार्य पूर्ण कर प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। इसके अलावा इन ग्रामों में सतत पेयजल की सुविधा मुहैया कराए जाने के भी लक्ष्य निर्धारित है। संध्या होते ही अंधेरे में डूबने वाले इन गांव के गली चौक चौराहे अब रोशनी से सराबोर है वास्तव में इन ग्रामों में अंधेरे का साम्राज्य हटाने में सौर ऊर्जा की भूमिका अतुलनीय है।

कृषि विज्ञान केन्द्र दंतेवाड़ा में हुआ "क्रॉप डॉक्टर मोबाइल ऐप'' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

दंतेवाड़ा | आरएनएस

आदिवासी क्षेत्रों में कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोडऩे, डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने और कृषि उत्पादन में सुधार करने के उद्देश्य से फसल (क्रॉप) डॉक्टर मोबाइल ऐप पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कृषि सांख्यिकी विभाग द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, दंतेवाड़ा के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों कृषकों को इस ऐप का उपयोग करना सिखाना था, जिससे वे अपनी फसलों की निगरानी करने के अलावा कृषि से संबंधित समस्याओं का समाधान पा सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष, मानवाधिकार परिषद, जसवीर नेगी, प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, केवीके, दन्तेवाडा डॉ. प्रवीण कुमार निषाद, एवं वैज्ञानिक, कृषि संख्यिकी विभाग, रायपुर डॉ. डी.पी. सिंग उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में कृषि सांख्यिकी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. डी.पी. सिंग एवं तकनीकी सलाहकारों ने किसानों को क्रॉप डॉक्टर ऐप के विभिन्न फीचर्स के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ऐप का उपयोग करके किसान अपनी फसल की स्थिति का विश्लेषण कर, फसलों की बीमारियों की पहचान और निदान तथा उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उचित सुझाव प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेगी ने इस मौके पर कहा कि ''डिजिटल तकनीक आज के समय की आवश्यकता हैं। आदिवासी क्षेत्रों में खेती को सशक्त बनाने के लिए यह प्रशिक्षण एक बड़ा कदम है। इससे न केवल किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि वे बाजार के साथ सीधे जुडक़र अपनी उपज का उचित मूल्य भी प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम में 80 से अधिक किसानों एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और इस पहल को लेकर उत्साह दिखाया। कृषकों का कहना था कि वे इस तकनीक के माध्यम से कृषि को व्यवस्थित तरीके से कर सकते है। फसल डॉक्टर ऐप हमारी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करता है। अब हमें फसल से संबंधित जानकारी हेतू विशेषज्ञ की राय के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्र के कर्मचारी अनिल ठाकुर, डॉ. सत्यनारायण सिंग, एस. के. पोडियाम, विनोद पाण्डेय, राजकुमार एवं अन्य कर्मचारियों का सहयोग रहा।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU